उच्च-मूल्य निवेश प्रोत्साहन हेतु इन्वेस्ट यूपी ने सिंगापुर में अपनी सहभागिताएँ सुदृढ़ कीं

सिंगापुर, दिसम्बर 2025: इन्वेस्ट यूपी के प्रतिनिधिमंडल ने, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री शशांक चौधरी के नेतृत्व में, सिंगापुर में एक उच्च-प्रभावी निवेश प्रोत्साहन मिशन सम्पन्न किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जीआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर सहित प्रमुख संस्थागत निवेशकों तथा सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (SICCI) जैसे महत्त्वपूर्ण औद्योगिक संगठनों के साथ व्यापक संवाद स्थापित किया। इस यात्रा का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक वरीय वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना था, जिसके लिए प्रदेश की नीतिगत स्थिरता, विकसित होती अवसंरचना, सुदृढ़ निवेशक सुविधा व्यवस्था तथा सेवाओं, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स एवं नवोन्मेषी क्षेत्रों में उभरते अवसरों का प्रस्तुतीकरण किया गया। सिंगापुर, उत्तर प्रदेश व्यापार एवं निवेश गलियारे को सुदृढ़ करना इन चर्चाओं का केन्द्रीय तत्व रहा, जिसमें दीर्घकालिक सहयोग, सुदृढ़ परिसंपत्ति सृजन एवं व्यापार-वृद्धि के मार्गों पर विचार-विमर्श किया गया।

मिशन के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल ने विश्व के अग्रणी संस्थागत निवेशकों में से एक–सिंगापुर की संप्रभु संपत्तियों का प्रबंधन करने वाले जीआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ रणनीतिक वार्ता की। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री नितीश हेमदानी एवं जीआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एफआईसीसीआई, सिंगापुर की कंट्री हेड सुश्री नविता मेयर उपस्थित रहीं। इन्वेस्ट यूपी टीम ने प्रदेश में भूमि उपलब्धता, नीतिगत स्थिरता तथा अवसंरचना, सेवाओं, लॉजिस्टिक्स और आधुनिक शहरी विकास के उभरते अवसरों को रेखांकित किया। अधिकारियों ने प्रदेश की समर्पित निवेशक सुविधा संरचना–विशेषीकृत देश एवं क्षेत्र डेस्क सहित–का परिचय दिया तथा उत्तर प्रदेश में विकसित होते ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) इकोसिस्टम एवं निवेश-हितैषी सुशासन ढाँचे पर प्रकाश डाला।

दोनों पक्षों के मध्य अवस्थापना, सतत् शहरी सेवाओं तथा प्रौद्योगिकी-आधारित क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। जीआईसी ने उत्तर प्रदेश की विकास गति और दीर्घकालिक, सुदृढ़ परिसंपत्तियों के निर्माण पर राज्य के फोकस को ध्यान में रखते हुए नए क्षेत्रों में संभावनाओं के अन्वेषण में रुचि व्यक्त की।

एक अन्य महत्त्वपूर्ण सहभागिता के तहत इन्वेस्ट यूपी ने सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (SICCI) के साथ संवाद स्थापित किया, जिससे सिंगापुर, उत्तर प्रदेश व्यवसायिक गलियारे को और मजबूत किया जा सके। इस सत्र की अध्यक्षता SICCI के इंटरनेशनलाइज़ेशन सब-कमिटी के चेयरमैन, श्री मनीष त्रिपाठी ने की, तथा इसमें SICCI के वरिष्ठ बोर्ड निदेशकों की उपस्थिति रही। भारत के उच्चायोग, सिंगापुर के फर्स्ट सेक्रेटरी (कॉमर्स) श्री मृथिञ्जै एस. भी सत्र में सम्मिलित हुए। वार्ता में सिंगापुर की उद्यमी संस्थाओं एवं उत्तर प्रदेश के तीव्र गति से विस्तृत हो रहे आर्थिक परिदृश्य के मध्य बढ़ते समन्वय को विशेष रेखांकित किया गया।

इन्वेस्ट यूपी ने राज्य की जनसांख्यिकीय एवं आर्थिक शक्तियों, विशाल युवा कार्यबल, व्यापक शैक्षणिक नेटवर्क तथा समृद्ध स्टार्टअप इकोसिस्टम, का प्रस्तुतीकरण किया। भारत के मध्य स्थित उत्तर प्रदेश की सामरिक भौगोलिक स्थिति, समर्पित फ्रेट कॉरिडोर, औद्योगिक नोड, एक्सप्रेसवे एवं नोएडा सहित आगामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के माध्यम से राज्य को विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल सेवाओं, एग्रीटेक एवं भावी उद्योगों हेतु देश के सर्वाधिक आशाजनक केंद्रों में स्थापित करती है।

पारदर्शी सुशासन सुधारों, एकीकृत डिजिटल सुविधा प्लेटफार्मों तथा प्रतिस्पर्धात्मक प्रोत्साहन ढाँचे के साथ उत्तर प्रदेश सिंगापुर के निवेशकों को एक सुरक्षित, किफायती एवं उच्च-विकासयुक्त वातावरण प्रदान करता है। SICCI ने अपने सदस्यों को उत्तर प्रदेश में सहयोगात्मक अवसरों के अन्वेषण हेतु पूर्ण समर्थन देने तथा द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश प्रवाह को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इन सहभागिताओं के माध्यम से इन्वेस्ट यूपी वैश्विक भागीदारी को सुदृढ़ करते हुए रणनीतिक निवेश के नए अवसरों को उन्मुक्त कर रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय उद्यमों हेतु एक वरीय निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है।